SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Natural Farming Expert

नेचुरल फार्मिंग एक्सपर्ट रसायनमुक्त, पर्यावरण-अनुकूल और सतत खेती को बढ़ावा देते हैं। वे किसानों को जीवामृत, बीजामृत और जैविक कीट-नियंत्रण जैसी प्राकृतिक विधियाँ सिखाकर लागत घटाते और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाते हैं। राजस्थान में...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/natural-farming-expert

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

नेचुरल फार्मिंग एक्सपर्ट रसायनमुक्त, पर्यावरण-अनुकूल और सतत खेती को बढ़ावा देते हैं। वे किसानों को जीवामृत, बीजामृत और जैविक कीट-नियंत्रण जैसी प्राकृतिक विधियाँ सिखाकर लागत घटाते और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाते हैं। राजस्थान में जैविक व प्राकृतिक खेती तेजी से बढ़ रहा क्षेत्र है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	12वीं (विज्ञान/कृषि) + बीएससी कृषि/जैविक खेती
आरंभिक वेतन	₹3–4 लाख/वर्ष
कार्य-शैली	खेत, गाँव, कृषि अनुसंधान केंद्र, एनजीओ
माँग	बढ़ती हुई (जैविक/प्राकृतिक खेती मिशन)

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- प्रकृति और खेती-किसानी में रुचि
- किसानों के साथ जुड़ना व सिखाना
- हाथ से काम करना और प्रयोग करना

क्षमताएँ

- चीजों के बीच संबंध समझना (मिट्टी, फसल, जीव)
- नई विधियाँ व पैटर्न विकसित करना
- योजना बनाना और व्यवस्थित रखना

ज़रूरी कौशल

- जीवामृत, बीजामृत व जैविक खाद बनाना
- जैविक कीट व रोग प्रबंधन
- जैविक प्रमाणन व दस्तावेज़ीकरण
- मिट्टी व फसल स्वास्थ्य की जाँच
- किसान प्रशिक्षण व सामुदायिक संवाद
- जैविक उपज का विपणन व ब्रांडिंग

4 कैसे पहुँचें

1. विज्ञान या कृषि संकाय से 12वीं पूरी करें।
2. बीएससी कृषि / जीव विज्ञान / जैविक खेती / बीटेक कृषि इंजीनियरिंग में स्नातक करें।
3. प्राकृतिक/जैविक खेती में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करें।
4. चाहें तो जैविक कृषि/जैव विविधता में मास्टर डिग्री करें।
5. एफपीओ, एनजीओ या कृषि विभाग की परियोजनाओं में फील्ड अनुभव लें।
6. नामांकन से पूर्व कोर्स की मान्यता व अवधि जाँच लें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- राज्य/राष्ट्रीय कृषि विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (ICAR AIEEA / राज एग्री)

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Maharana Pratap University of Agriculture & Technology — उदयपुर
- Sri Karan Narendra Agriculture University, Jobner — जयपुर
- Swami Keshwanand Rajasthan Agricultural University — बीकानेर
- Agriculture University, Kota — कोटा
- Agriculture University, Jodhpur — जोधपुर
- Central Arid Zone Research Institute (CAZRI) — जोधपुर

निजी संस्थान

- Vidya Bhawan Society — उदयपुर
- Banasthali Vidyapith (women only) — निवाई, टोंक
- Suresh Gyan Vihar University — जयपुर

ऑनलाइन

- SWAYAM — ऑनलाइन (https://swayam.gov.in)
- IGNOU — दूरस्थ शिक्षा (https://www.ignou.ac.in)
- Vardhman Mahaveer Open University — कोटा (https://www.vmou.ac.in)

फ़ीस

डिग्री कोर्स की फीस लगभग ₹20 हजार से ₹1.5 लाख प्रतिवर्ष हो सकती है; डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स सस्ते होते हैं। यह संस्थान और कोर्स पर निर्भर करता है।

छात्रवृत्तियाँ

- National Scholarship Portal (https://scholarships.gov.in)
- Buddy4Study (https://www.buddy4study.com)
- Rajasthan SJE Scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in)
- Vidya Lakshmi (education loan) (https://www.vidyalakshmi.co.in)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के खेत, कृषि अनुसंधान केंद्र, एनजीओ व जैविक खेती संगठन, प्रशिक्षण केंद्र और विश्वविद्यालय।

कार्य-संस्कृति

यह फील्ड जॉब है — खेतों का दौरा, स्थानीय यात्रा और सामुदायिक कार्य शामिल हैं। सप्ताह में लगभग 6 दिन, रोज़ 8 घंटे काम हो सकता है।

कौन नौकरी देता है

- राज्य कृषि विभाग व आत्मा (ATMA) परियोजनाएँ
- जैविक खेती एनजीओ (जैसे मोरारका फाउंडेशन)
- जैविक खाद्य कंपनियाँ व स्टार्टअप
- किसान उत्पादक संगठन (FPO)
- कृषि विश्वविद्यालय व अनुसंधान केंद्र
- स्वयं का प्राकृतिक खेती/कंसल्टेंसी व्यवसाय

माँग (2026)

जलवायु परिवर्तन और स्वस्थ भोजन की माँग के कारण जैविक व प्राकृतिक खेती विशेषज्ञों की माँग बढ़ रही है। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन और राजस्थान की जैविक खेती योजनाओं से रोजगार व उद्यमिता के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. जैविक कृषि सलाहकार
2. परियोजना प्रबंधक (नेचुरल फार्मिंग)
3. कृषि अनुसंधान वैज्ञानिक
4. नेचुरल फार्मिंग कंसल्टेंसी उद्यमी

कमाई

शुरुआत	₹3–4 LPA
मध्य स्तर	₹5–6 LPA
वरिष्ठ स्तर	₹10 LPA+

वेतन अनुभव और विशेषज्ञता पर निर्भर है; स्वयं का व्यवसाय शुरू करने पर आय काफी अधिक हो सकती है। ये आँकड़े अनुमानित हैं।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- पर्यावरण व किसान-हित का सार्थक कार्य
- कम लागत में स्वयं का व्यवसाय संभव
- सरकारी मिशन व योजनाओं का सहयोग

चुनौतियाँ

- फील्ड वर्क में शारीरिक मेहनत व यात्रा
- प्राकृतिक खेती में परिणाम धीरे-धीरे मिलते हैं
- मौसम व बाजार पर आय की निर्भरता

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Subhash Palekar
प्राकृतिक खेती के प्रणेता, पद्मश्री

सुभाष पालेकर ने शून्य बजट प्राकृतिक खेती (SPNF/ZBNF) विकसित की — जीवामृत, बीजामृत, वाफसा और आच्छादन जैसी विधियों से रासायनिक खाद व कीटनाशक के बिना खेती। इससे किसानों की लागत घटती है और मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है। उन्हें 2016 में पद्मश्री मिला और उनकी विधि पूरे भारत में लाखों किसान अपनाते हैं।

Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/Subhash_Palekar

Rubi Pareek
जैविक किसान व प्रशिक्षक, दौसा (राजस्थान)

दौसा की रूबी पारीक ने पिता की बीमारी के बाद 2006 में जैविक खेती अपनाई। 10 एकड़ फार्म पर वे जीवामृत, पंचगव्य और दशपर्णी अर्क से 90 से अधिक फसलें उगाती हैं और सालाना लगभग ₹50 लाख कमाती हैं। उन्होंने राजस्थान की बड़ी वर्मीकम्पोस्ट इकाई बनाई और लगभग 25,000 किसानों को प्रशिक्षण दिया है।

Krishi Jagran · https://krishijagran.com/success-story/rajasthan-women-farmer-earns-rs-50-lakhs-annually-cultivating-organic-crops-and-championing-eco-friendly-farming

10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- कृषि-वानिकी विशेषज्ञ
- ऊँटनी दूध उत्पादक
- फल कृषक (अनार, खजूर, किन्नू, बेर, आँवला)

11 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर मार्गदर्शन (स्रोत) — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%a8%e0%a5%87%e0%a4%9a%e0%a5%81%e0%a4%b0%e0%a4%b2-%e0%a4%ab%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%ae%e0%a4%bf%e0%a4%82%e0%a4%97-%e0%a4%8f%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%b8%e0%a4%aa%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%9f/

2. राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन — https://naturalfarming.dac.gov.in

3. ICAR – प्राकृतिक खेती — https://icar.org.in

4. MPUAT उदयपुर — https://www.mpuat.ac.in

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in